

रविवार 1 जून, 2025

विषय — प्राचीन और आधुनिक काला जादू, उपनाम कृत्रिम निद्रावस्था और हाइपोहान

स्वर्ण पाठ: प्रकाशित वाक्य 19: 1

"कि हल्लिलूय्याह! उद्धार, और महिमा, और सामर्थ हमारे परमेश्वर ही की है।"

उत्तरदायी अध्ययन: इफिसियों 6 : 10-17

- 10 निदान, प्रभु में और उस की शक्ति के प्रभाव में बलवन्त बनो।
- 11 परमेश्वर के सारे हथियार बान्ध लो; कि तुम शैतान की युक्तियों के साम्हने खड़े रह सको।
- 12 क्योंकि हमारा यह मल्लयुद्ध, लोहू और मांस से नहीं, परन्तु प्रधानों से और अधिकारियों से, और इस संसार के अन्धकार के हाकिमों से, और उस दुष्टता की आत्मिक सेनाओं से है जो आकाश में हैं।
- 13 इसलिये परमेश्वर के सारे हथियार बान्ध लो, कि तुम बुरे दिन में साम्हना कर सको, और सब कुछ पूरा करके स्थिर रह सको।
- 14 सो सत्य से अपनी कमर कसकर, और धार्मिकता की झिलम पहिन कर।
- 15 और पांवों में मेल के सुसमाचार की तैयारी के जूते पहिन कर।
- 16 और उन सब के साथ विश्वास की ढाल लेकर स्थिर रहो जिस से तुम उस दुष्ट के सब जलते हुए तीरों को बुझा सको।
- 17 और उद्धार का टोप, और आत्मा की तलवार जो परमेश्वर का वचन है, ले लो।

पाठ उपदेश

बाइबल

1. यशायाह 59 : 19 (कब)

- 19 क्योंकि जब शत्रु महानद की नाई चढ़ाई करेंगे तब यहोवा का आत्मा उसके विरुद्ध झण्डा खड़ा करेगा ॥

2. भजन संहिता 91 : 1-16

- 1 जोपरमप्रधान के छाए हुए स्थान में बैठा रहे, वह सर्वशक्तिमान की छाया में ठिकाना पाएगा।
- 2 मैं यहोवा के विषय कहूंगा, कि वह मेरा शरणस्थान और गढ़ है; वह मेरा परमेश्वर है, मैं उस पर भरोसा रखूंगा।
- 3 वह तो तुझे बहेलिये के जाल से, और महामारी से बचाएगा।
- 4 वह तुझे अपने पंखों की आड़ में ले लेगा, और तू उसके पैरों के नीचे शरण पाएगा; उसकी सच्चाई तेरे लिये ढाल और झिलम ठहरेगी।
- 5 तू न रात के भय से डरेगा, और न उस तीर से जो दिन को उड़ता है,
- 6 न उस मरी से जो अन्धेरे में फैलती है, और न उस महारोग से जो दिन दुपहरी में उजाड़ता है॥
- 7 तेरे निकट हजार, और तेरी दाहिनी ओर दस हजार गिरेंगे; परन्तु वह तेरे पास न आएगा।
- 8 परन्तु तू अपनी आंखों की दृष्टि करेगा और दुष्टों के अन्त को देखेगा॥
- 9 हे यहोवा, तू मेरा शरण स्थान ठहरा है। तू ने जो परमप्रधान को अपना धाम मान लिया है,
- 10 इसलिये कोई विपत्ति तुझ पर न पड़ेगी, न कोई दुःख तेरे डेरे के निकट आएगा॥
- 11 क्योंकि वह अपने दूतों को तेरे निमित्त आज्ञा देगा, कि जहां कहीं तू जाए वे तेरी रक्षा करें।
- 12 वे तुझ को हाथों हाथ उठा लेंगे, ऐसा न हो कि तेरे पांवों में पत्थर से ठेस लगे।
- 13 तू सिंह और नाग को कुचलेगा, तू जवान सिंह और अजगर को लताड़ेगा।
- 14 उसने जो मुझ से स्नेह किया है, इसलिये मैं उसको छुड़ाऊंगा; मैं उसको ऊंचे स्थान पर रखूंगा, क्योंकि उसने मेरे नाम को जान लिया है।
- 15 जब वह मुझ को पुकारे, तब मैं उसकी सुनूंगा; संकट में मैं उसके संग रहूंगा, मैं उसको बचा कर उसकी महिमा बढ़ाऊंगा।
- 16 मैं उसको दीर्घायु से तृप्त करूंगा, और अपने किए हुए उद्धार का दर्शन दिखाऊंगा॥

3. 2 राजा 6: 8-17

- 8 अराम का जाजा इस्राएल से युद्ध कर रहा था, और सम्मति कर के अपने कर्मचारियों से कहा, कि अमुक स्थान पर मेरी छावनी होगी।
- 9 तब परमेश्वर के भक्त ने इस्राएल के राजा के पास कहला भेजा, कि चौकसी कर और अमुक स्थान से हो कर न जाना क्योंकि वहां अरामी चढ़ाई करने वाले हैं।
- 10 तब इस्राएल के राजा ने उस स्थान को, जिसकी चर्चा कर के परमेश्वर के भक्त ने उसे चिताया था, भेज कर, अपनी रक्षा की; और उस प्रकार एक दो बार नहीं वरन बहुत बार हुआ।

- 11 इस कारण अराम के राजा का मन बहुत घबरा गया; सो उसने अपने कर्मचारियों को बुला कर उन से पूछा, क्या तुम मुझे न बताओगे कि हम लोगों में से कौन इस्राएल के राजा की ओर का है? उसके एक कर्मचारी ने कहा, हे मेरे प्रभु! हे राजा! ऐसा नहीं,
- 12 एलीशा जो इस्राएल में भविष्यद्वक्ता है, वह इस्राएल के राजा को वे बातें भी बताया करता है, जो तू शयन की कोठरी में बोलता है।
- 13 राजा ने कहा, जा कर देखो कि वह कहां है, तब मैं भेज कर उसे पकड़वा मंगाऊंगा। और उसको यह समाचार मिला कि वह दोतान में है।
- 14 तब उसने वहां घोड़ों और रथों समेत एक भारी दल भेजा, और उन्होंने रात को आकर नगर को घेर लिया।
- 15 भोर को परमेश्वर के भक्त का टहलुआ उठा और निकल कर क्या देखता है कि घोड़ों और रथों समेत एक दल नगर को घेरे हुए पड़ा है। और उसके सेवक ने उस से कहा, हाय! मेरे स्वामी, हम क्या करें?
- 16 उसने कहा, मत डर; क्योंकि जो हमारी ओर हैं, वह उन से अधिक हैं, जो उनकी ओर हैं।
- 17 तब एलीशा ने यह प्रार्थना की, हे यहोवा, इसकी आंखें खोल दे कि यह देख सके। तब यहोवा ने सेवक की आंखें खोल दीं, और जब वह देख सका, तब क्या देखा, कि एलीशा के चारों ओर का पहाड़ अग्निमय घोड़ों और रथों से भरा हुआ है।

4. भजन संहिता 27 : 1, 3-5, 13, 14

- 1 यहोवा परमेश्वर मेरी ज्योति और मेरा उद्धार है; मैं किस से डरूं? यहोवा मेरे जीवन का दृढ़ गढ़ ठहरा है, मैं किस का भय खाऊं?
- 3 चाहे सेना भी मेरे विरुद्ध छावनी डाले, तौभी मैं न डरूंगा; चाहे मेरे विरुद्ध लड़ाई ठन जाए, उस दशा में भी मैं हियाव बान्धे निश्चित रहूंगा॥
- 4 एक वर मैं ने यहोवा से मांगा है, उसी के यत्न में लगा रहूंगा; कि मैं जीवन भर यहोवा के भवन में रहने पाऊं, जिस से यहोवा की मनोहरता पर दृष्टि लगाए रहूं, और उसके मन्दिर में ध्यान किया करूं॥
- 5 क्योंकि वह तो मुझे विपत्ति के दिन में अपने मण्डप में छिपा रखेगा; अपने तम्बू के गुप्त स्थान में वह मुझे छिपा लेगा, और चट्टान पर चढ़ाएगा।
- 13 यदि मुझे विश्वास न होता कि जीवितों की पृथ्वी पर यहोवा की भलाई को देखूंगा, तो मैं मूर्च्छित हो जाता।
- 14 यहोवा की बाट जोहता रह; हियाव बान्ध और तेरा हृदय दृढ़ रहे; हां, यहोवा ही की बाट जोहता रह!

5. लूका 4 : 1 (से 1st.), 2 (से 1st.), 13-15, 17-19, 21, 28-30

- 1 फिर यीशु पवित्रआत्मा से भरा हुआ, यरदन से लैटा।

- 2 और शैतान उस की परीक्षा करता रहा।
- 13 जब शैतान सब परीक्षा कर चुका, तब कुछ समय के लिये उसके पास से चला गया॥
- 14 फिर यीशु आत्मा की सामर्थ से भरा हुआ गलील को लौटा, और उस की चर्चा आस पास के सारे देश में फैल गई।
- 15 और वह उन की आराधनालयों में उपदेश करता रहा, और सब उस की बड़ाई करते थे॥
- 16 और वह नासरत में आया; जहां पाला पोसा गया था; और अपनी रीति के अनुसार सब्ब के दिन आराधनालय में जा कर पढ़ने के लिये खड़ा हुआ।
- 17 यशायाह भविष्यद्वक्ता की पुस्तक उसे दी गई, और उस ने पुस्तक खोलकर, वह जगह निकाली जहां यह लिखा था।
- 18 कि प्रभु का आत्मा मुझ पर है, इसलिये कि उस ने कंगालों को सुसमाचार सुनाने के लिये मेरा अभिषेक किया है, और मुझे इसलिये भेजा है, कि बन्धुओं को छुटकारे का और अन्धों को दृष्टि पाने का सुसमाचार प्रचार करूं और कुचले हुआओं को छुड़ाऊं।
- 19 और प्रभु के प्रसन्न रहने के वर्ष का प्रचार करूं।
- 21 तब वह उन से कहने लगा, कि आज ही यह लेख तुम्हारे साम्हने पूरा हुआ है।
- 28 ये बातें सुनते ही जितने आराधनालय में थे, सब क्रोध से भर गए।
- 29 और उठकर उसे नगर से बाहर निकाला, और जिस पहाड़ पर उन का नगर बसा हुआ था, उस की चोटी पर ले चले, कि उसे वहां से नीचे गिरा दें।
- 30 पर वह उन के बीच में से निकलकर चला गया॥

6. याकूब 4 : 7, 8 (से 1st .), 10

- 7 इसलिये परमेश्वर के आधीन हो जाओ; और शैतान का साम्हना करो, तो वह तुम्हारे पास से भाग निकलेगा।
- 8 परमेश्वर के निकट आओ, तो वह भी तुम्हारे निकट आएगा: हे पापियों, अपने हाथ शुद्ध करो; और हे दुचित्ते लोगों अपने हृदय को पवित्र करो।
- 10 प्रभु के साम्हने दीन बनो, तो वह तुम्हें शिरोमणि बनाएगा।

विज्ञान और स्वास्थ्य

1. 228 : 25 (वहाँ)-27

ईश्वर से अलग कोई शक्ति नहीं है। सर्वव्यापी के पास सर्व-शक्ति है, और किसी अन्य शक्ति को स्वीकार करने के लिए भगवान को बेइज्जत करना है।

2. 398 : 32 (बुराई)-2

बुराई में कोई शक्ति नहीं है, कोई बुद्धि नहीं है, क्योंकि ईश्वर अच्छा है, और इसलिए अच्छाई अनंत है, सब कुछ है।

3. 445 : 5-8, 15-18

किसी अन्य शक्ति के अस्तित्व के रूप में कोई परिकल्पना को क्राइस्टियन साइंस के प्रदर्शन में बाधा डालने के लिए संदेह या भय का सामना नहीं करना चाहिए।

जब आप ईश्वरीय तराजू पर मानव को तौलते हैं, या विचार की किसी भी दिशा में ईश्वर की सर्वव्यापकता और सर्वशक्तिमानता को सीमित करते हैं, तो आप उपचार के ईश्वरीय नियम को अस्पष्ट और निरर्थक बना देते हैं।

4. 484 : 21 (मेस्मेरिज्म)-27

मेस्मेरिज्म नश्वर है, भौतिक भ्रम है। पशु चुंबकत्व अपने सभी रूपों में त्रुटि की स्वैच्छिक या अनैच्छिक क्रिया है; यह दिव्य विज्ञान का मानव प्रतिपद है। विज्ञान को भौतिक इंद्रियों पर और सत्य को त्रुटि पर विजय प्राप्त करनी चाहिए, इस प्रकार सभी झूठे सिद्धांतों और प्रथाओं में शामिल परिकल्पनाओं को समाप्त करना चाहिए।

5. 103 : 18-28

जैसा कि क्राइस्टियन साइंस में नाम दिया गया है, पशु चुंबकत्व या हिप्नोटिज्म त्रुटि, या नश्वर मन के लिए विशिष्ट शब्द है। यह गलत धारणा है कि मन पदार्थ में है, और यह बुराई और अच्छा दोनों है; यह बुराई उतनी ही वास्तविक है जितनी अच्छी और अधिक शक्तिशाली। इस विश्वास में सत्य का एक गुण नहीं है। यह या तो अज्ञानी है या दुर्भावनापूर्ण। सम्मोहन का दुर्भावनापूर्ण रूप नैतिक मूर्खता में परिणत होता है। और वे नश्वर मन की दंतकथाओं का सत्यानाश करते हैं, जिनकी भड़कीली और भड़कीली दिखावा, मूर्खतापूर्ण पतंगों की तरह, अपने स्वयं के पंख गाते हैं और धूल में गिर जाते हैं।

6. 102 : 1-9, 16-23, 30 (मानव)-5 (से 2nd .)

पशु चुंबकत्व के पास कोई वैज्ञानिक आधार नहीं है, क्योंकि भगवान सभी को नियंत्रित करता है जो वास्तविक, सामंजस्यपूर्ण और शाश्वत है, और उनकी शक्ति न तो पशु है और न ही मानव। विज्ञान पशु चुंबकत्व, मेस्मेरिज्म,

या हिप्नोटिज्म में एक विश्वास और इस विश्वास जानवर होने का आधार एक नकारात्मकता है, जिसमें न तो बुद्धि, शक्ति, न ही वास्तविकता है, और इस अर्थ में यह तथाकथित नश्वर मन की एक अवास्तविक अवधारणा है।

लेकिन आत्मा का एक वास्तविक आकर्षण है।

पशु चुंबकत्व के हल्के रूप गायब हो रहे हैं, और इसकी आक्रामक विशेषताएं सामने आ रही हैं। अपराध के करघे, नश्वर विचार के अंधेरे अवकाश में छिपे हुए हैं, हर घंटे बुनाई जाले अधिक जटिल और सूक्ष्म हैं। इसलिए रहस्य पशु चुंबकत्व की वर्तमान विधियां हैं कि वे उम्र को अकर्मण्यता में बदल देते हैं, और उस विषय पर बहुत उदासीनता उत्पन्न करते हैं जो आपराधिक इच्छा करता है।

मानव जाति को सीखना चाहिए कि बुराई शक्ति नहीं है। इसकी तथाकथित निरंकुशता है, लेकिन कुछ भी नहीं है। क्रिश्चियन साइंस बुराई के साम्राज्य को दूर करता है, और पूर्व में परिवारों में और इसलिए समुदाय में स्नेह और सदाचार को बढ़ावा देता है। प्रेरित पौलुस बुराई के अवतार को "इस दुनिया के देवता" के रूप में संदर्भित करता है, और आगे इसे बेईमानी और चालाकी के रूप में परिभाषित करता है। पाप असीरियन चंद्रमा-देवता था।

7. 450 : 15 (कुछ)-7

कुछ लोग धीरे-धीरे सत्य के स्पर्श में आ जाते हैं। संघर्ष के बिना कुछ उपज, और बहुत से लोग यह मानने से हिचकते हैं कि उन्होंने उपज दी है; लेकिन जब तक यह स्वीकार नहीं किया जाता है, बुराई अच्छाई से ऊपर अपने आप को घमण्ड करेगी। क्रिश्चियन साइंटिस्ट ने बुराई, बीमारी और मृत्यु को कम करने के लिए सूचीबद्ध किया है; और वह उनकी नीयत और भगवान की भलाई या अच्छेपन को समझकर उन्हें दूर करेगा। उसके प्रति बीमार होना किसी पाप से कम नहीं है, और वह उन दोनों को ईश्वर की शक्ति को समझकर उन्हें ठीक करता है क्रिश्चियन साइंटिस्ट जानते हैं कि वे विश्वास की त्रुटियां हैं, जो सत्य को नष्ट कर सकता है।

वह कौन है जिसने जीवन, पदार्थ और बुद्धिमत्ता में खतरनाक मान्यताओं को ईश्वर से अलग कर दिया है, और यह कह सकता है कि विश्वास की कोई त्रुटि नहीं है? पशु चुंबकत्व के दावे को जानते हुए, कि सभी बुराई जीवन, पदार्थ, और बुद्धि के विश्वास में जोड़ती है, बिजली, पशु प्रकृति, और जैविक जीवन, कौन इस बात से इंकार करेगा कि ये गलतियाँ हैं जो सत्य को सत्यानाश कर देंगी? ईसाई वैज्ञानिकों को भौतिक दुनिया से बाहर आने और अलग होने के लिए धर्मत्यागी आदेश के निरंतर दबाव में रहना चाहिए। उन्हें आक्रामकता, उत्पीड़न और शक्ति के अहंकार को त्यागना होगा। ईसाई धर्म, जिसके माथे पर प्रेम का मुकुट है, उनके जीवन की रानी होनी चाहिए।

8. 452 : 4-6

इस बाइबल पाठ को प्लेनफील्ड क्रिश्चियन साइंस चर्च, इंडिपेंडेंट द्वारा तैयार किया गया था। यह किंग जेम्स बाइबल से स्क्रिपचरल कोटेशन से बना है और मैरीक बकरी एड्डी ने क्रिश्चियन साइंस पाठ्यपुस्तक विज्ञान और स्वास्थ्य से कुंजी के साथ शास्त्र के लिए सहसंबद्ध मार्ग लिया है।

गलत तर्क से व्यावहारिक त्रुटि उत्पन्न होती है। गलत विचार को प्रकट होने से पहले ही रोक दिया जाना चाहिए।

9. 453 : 6-8, 16 (ईमानदारी)-23

सही और गलत, सत्य और त्रुटि, छात्रों के दिमाग में तब तक रहेगी, जब तक कि जीत अजेय सत्य के पक्ष में नहीं हो जाती।

ईमानदारी आध्यात्मिक शक्ति है। बेईमानी मानवीय कमजोरी है, जो दैवीय सहायता से वंचित है। आप पाप को उजागर करते हैं, चोट पहुँचाने के लिए नहीं, बल्कि भौतिक व्यक्ति को आशीर्वाद देने के लिए; और नेक नीयत का प्रतिफल होता है। छिपा हुआ पाप ऊँचे स्थानों पर आत्मिक दुष्टता है। इस विज्ञान में बहाना करने वाला ईश्वर को धन्यवाद देता है कि कोई बुराई नहीं है, फिर भी अच्छाई के नाम पर बुराई की सेवा करता है।

10. 261 : 4-7

धीरज, अच्छे और सच्चे विचार को दृढ़ता से पकड़ें, और आप अपने अनुभवों के अनुपात में इन्हें अपने अनुभव में लाएंगे।

11. 454 : 5-13, 17-24

एक अंश में भी, परमात्मा की समझ से सारी शक्ति भय को नष्ट कर देती है, और यह सच्चे मार्ग में पैर रखता है, — वह मार्ग जो बिना हाथों के बने घर की ओर जाता है "आकाश में अनन्त।" मानव घृणा का कोई वैध जनादेश नहीं है और न ही कोई राज्य है। प्रेम में उत्साह होता है। उस बुराई या पदार्थ में न तो बुद्धिमत्ता है और न ही शक्ति, पूर्ण क्रिएचरियन विज्ञान का सिद्धांत है, और यह महान सत्य है जो त्रुटि से सभी भेस को अलग करता है।

ईश्वर और मनुष्य के लिए प्यार हीलिंग और शिक्षण दोनों में सच्चा प्रोत्साहन है। प्रेम प्रेरणा देता है, रोशनी करता है, नामित करता है और मार्ग प्रशस्त करता है। सही इरादों ने विचार, और ताकत और बोलने और कार्रवाई करने की स्वतंत्रता को चुटकी दी। सत्य की वेदी पर प्रेम पुरोहिती है। दिव्य प्रेम के लिए धैर्यपूर्वक प्रतीक्षा करें नश्वर मन के पानी पर आगे बढ़ने के लिए, और सही अवधारणा बनाएं। धीरज "को अपना पूरा काम करने दो॥"

12. 267 : 25-32

आत्मा के कपड़े मसीह की छाप की तरह "सफेद और चमकदार" हैं। इसलिए, यहां तक कि इस दुनिया में, "तुम्हारा वस्त्र सदभाव रहो" "धन्य है वह मनुष्य, जो परीक्षा में स्थिर [विजयी] रहता है; क्योंकि वह खरा निकल कर [वफादार साबित होने से], जीवन का वह मुकुट पाएगा, जिस की प्रतिज्ञा प्रभु ने अपने प्रेम करने वालों को दी है।" (याकूब 1:12.)

दैनिक कर्तव्यों

मैरी बेकर एड्डी द्वारा

दैनिक प्रार्थना

प्रत्येक दिन प्रार्थना करने के लिए इस चर्च के प्रत्येक सदस्य का कर्तव्य होगा: "तुम्हारा राज्य आओ;" ईश्वरीय सत्य, जीवन और प्रेम के शासन को मुझमें स्थापित करो, और मुझ पर शासन करो; और तेरा वचन सभी मनुष्यों के स्नेह को समृद्ध कर सकता है, और उन पर शासन करो!

चर्च मैनुअल, लेख VIII, अनुभाग 4

उद्देश्यों और कृत्यों के लिए एक नियम

न तो दुश्मनी और न ही व्यक्तिगत लगाव मदर चर्च के सदस्यों के उद्देश्यों या कृत्यों को लागू करना चाहिए। विज्ञान में, दिव्य प्रेम ही मनुष्य को नियंत्रित करता है; और एक क्रिश्चियन साइंटिस्ट प्यार की मीठी सुविधाओं को दर्शाता है, पाप में डांटने पर, सच्चा भाईचारा, परोपकार और क्षमा में। इस चर्च के सदस्यों को प्रतिदिन ध्यान रखना चाहिए और प्रार्थना को सभी बुराईयों से दूर करने, भविष्यद्वाणी, न्याय करने, निंदा करने, परामर्श देने, प्रभावित करने या गलत तरीके से प्रभावित होने से बचाने के लिए प्रार्थना करनी चाहिए।

चर्च मैनुअल, लेख VIII, अनुभाग 1

कर्तव्य के प्रति सतर्कता

इस चर्च के प्रत्येक सदस्य का यह कर्तव्य होगा कि वह प्रतिदिन आक्रामक मानसिक सुझाव से बचाव करे, और भूलकर भी ईश्वर के प्रति अपने कर्तव्य की उपेक्षा नहीं करनी चाहिए, अपने नेता और मानव जाति के लिए। उनके कामों से उन्हें आंका जाएगा, — और वह उचित या निंदनीय होगा।

चर्च मैनुअल, लेख VIII, अनुभाग 6